# भूमिका

# भूमिका

## देशज संस्कृति के प्रसार में यू-ट्यूब की भूमिका

विश्व में विज्ञान, विकास एवं प्रगति का अहम साधन है। दुनिया के विकसित देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, जापान, चीन और कोरिया ने विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करके ही वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। किंतु आजादी के 70 साल बाद भी भारत आज भी परावलंबी हैं। वजह है कि हम गरीबी, भूखमरी, असमानता, अशिक्षा, बीमारी और शोषण से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठानों में सरकार का प्रभुत्व है और दुनियाभर में ज्यादातर सरकारी इकाइयों की तरह ही उसमें जोखिम लेने का कार्य संस्कृति तथा नवोन्मेष का अभाव बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली इस उम्मीद से कौशल को तराशने में कमोवेश अक्षम है। दूसरे अपवाद स्वरूप चंद प्रतिभाएं ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठानों में अपनी किस्मत आजमाने पहुंच भी जाते हैं तो स्थानीय कार्य संस्कृति में निराशाजनक वातावरण से रूबरू होकर देश छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

इसके बावजूद ऐसा कतई नहीं है कि हम विज्ञान में हमेशा पिछड़े हुए ही थे। देश के इतिहास के मध्यकाल में पतंजलि, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, यवनाचार्य, लीलावती जैसे अनेक वैज्ञानिक हुए। इन वैज्ञानिकों ने खगोलशास्त्र और ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति से लेकर अनेक उल्लेखनीय शोध किए। सुश्रुत जैसे शल्य चिकित्सीय, चरक जैसे आयुर्वेदाचार्य, नागार्जुन जैसे रसायनशास्त्री, विश्वकर्मा जैसे अभियंता तथा सुलोचन जैसे वास्तुशास्त्री पर हम गर्व कर सकते हैं। इसके बाद सामंतों के विलासी जीवन और विदेशी आक्रमणकर्ताओं के हमलों के चलते देशज ज्ञान-विज्ञान की प्रगति अवरूद्ध सी हो गई। इस संक्रमण काल में अंधविश्वास ऐसा गहराया की हमारी देशज संस्कृति में जो भी विज्ञान सहमत था, उसे भी हमने ढकोसला मान लिया है। राष्ट्रीय भावना के चलते जो प्रतिभाएं नवोन्मेष करने के उत्साह में यहां रह भी जाती हैं, उन्हें शोध के अनुकूल वातावरण के लिए इस नकारात्मक परिस्थिति को बदलने की जरूरत है।

संस्कृति मनुष्य के वैयक्तिक एवं सामाजिक जीवन के स्वरूप का निर्माण निर्देशन, नियमन और नियंत्रित करती हैं। अत: संस्कृति मनुष्य की जीवन पद्धति, वैचारिक दर्शन एवं सामाजिक क्रियाकलाप में उसे समष्टिवादी दृष्टिकोण की अभिव्यंजना हैं इसका एक पक्ष मानव व्यवहार के निर्माण और दूसरा पक्ष कतिपय विधिविहित व्यवहारों की प्रामाणिकता तथा औचित्य प्रतिमान से संबध होता हैं।

सत्यम, शिवम, सुंदरम यह तीन शाश्वत मूल्य है। जो संस्कृति से निकट जुड़े है यह संस्कृति ही है। जो हमे दर्शन और धर्म के माध्यम से सभी को  निकट लाती है। यहीं हमें प्रेम, सहिष्णुता और शांति का पाठ पढ़ाती है संस्कृति प्रकृति पद्त्त नहीं होती यह समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा अर्जित की जाती है। अत: संस्कृति उन संस्कारों से समृद्ध होती है जो हमारी वंश परंपरा तथा सामाजिक विरासत सरंक्षण के साधन है। सामाजिक व्यवहार की विशिष्ठताओ का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी मे निगमन होता है। जिससे नवीन आदर्श जन्म लेते है। वर्तमान समय में मीडिया के दौर में देश की लगभग 65% आबादी युवाओं की है जिसमें से लगभग 70 से 80% युवा इंटरनेट से जुड़े हुए है। ऐसे में वैकल्पिक मीडिया देशज संस्कृति के प्रचार-प्रसार में एवं संवर्धन  में किस प्रकार अपनी सकारात्मक और सार्थक भूमिका का निर्वहन कर सकता है। न्यू मीडिया के दौर में में युवाओं को जोड़ करके ही देश की संस्कृति की पुरातन परम्परा को देश के समग्र विकास का आधार बनाया जा सकता है।

ज्ञान की अपनी स्वप्रकृति है जो मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान के सृजन का प्रमुख एवं महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु रहा है। जिसका साक्ष्य तक्षशिला एवं नालंदा जैसे विश्व विख्यात शैक्षिणिक संस्थानों की स्थापना रही है। वर्तमान भारतीय परिदृश्य में देशज संस्कृति का शक्तिशाली वर्चव रहा है। परन्तु इसके समुचित संर्वधन एवं प्रसार न होने के कारण वर्तमान समय में यह अपने प्रमाणिकता और प्रसार के लिए संघर्षरत है।

विभिन्न जन मीडिया के माध्यमों से यह वर्तमान में शोध छात्रों शैक्षिणिक संस्थानों एवं ज्ञान प्राप्ति के इच्छा रखने वाले हरेक व्यक्ति के लिए एक सर्व सुलभ एवं आवश्यक साधन बनता जा रहा है। वर्तमान शैक्षिणिक एवं सामाजिक परिदृश्य में देशज संस्कृति के प्रचार-प्रसार में जन मीडिया के एक मुख्य घटक में अपना कितना योगदान दे रहा है साथ ही ज्ञान-विज्ञान के प्रसार उपलब्धता एवं अनुप्रयोग से समाज का कितना वर्ग ऐसा है जो मीडिया के विभिन्न माध्यमों से देशज संस्कृति संवर्धन, अनुप्रयोग एवं प्रसारित कर रहा है। देशज संस्कृति के मूलत: अवयवों जीवन-शैली, परंपरा, खान-पान, ज्ञान-विज्ञान,रहन-सहन और मूल्यों के हस्तांतरण की संपूर्ण  प्रक्रिया में वैकल्पिक मीडिया के यू-ट्यूब वेबसाइट के चैनल महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य कर रहे है।